सत्र समापन के अवसर पर माननीय अध्यक्ष महोदय का उद्‌बोधन

(दिनांक 25 जुलाई, 2015)

आज चतुर्थ विधान सभा के पंचम सत्र का अंतिम दिन है । यह सत्र दिनांक 20 जुलाई से 31 जुलाई, 2015 तक आहूत था किन्तु परिस्थितिजन्य कारणों से आज अवकाश के दिन भी बैठक निर्धारित करके तथा देर रात 2.45 बजे तक बैठकर सभा के समक्ष लंबित समस्त कार्यों को निपटाने के बाद अनिश्चितकाल के लिये स्थगित होने जा रहा है ।

इस सत्र हेतु निर्धारित कुल 10 बैठकों के स्थान पर 6 बैठकें सम्पन्न हो पायी, किन्तु दिनांक 24 जुलाई को बिना भोजन अवकाश के बैठक को निरंतरता में रात्रि 10.00 बजे तक जारी रखते हुये और आज दिनांक 25 जुलाई को प्रातः 11.00 बजे से रात्रि 2.00 बजे तक अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा करते हुये केवल दो दिवसों में 18 घण्टे अतिरिक्त कार्य सम्पादित किया और मुझे प्रसन्नता हो रही है कि इस सम्पूर्ण 6 दिवस की कार्यावधि में सभा की कार्यवाही मत वैभिन्नता होने के बावजूद सौहार्दपूर्ण वातावरण में समाप्त हो रही है ।

वर्तमान सत्र में सदन ने इस सभा के वरिष्ठ सदस्य माननीय श्री बद्रीधर जी दीवान को उपाध्यक्ष के पद पर निर्वाचित किया । माननीय श्री दीवान जी एक अनुभवी संसदविज्ञ है । उन्होंने पूर्व में भी उपाध्यक्ष के पद की जिम्मेदारियों का निर्वाह करते हुये आसंदी की गरिमा को ऊँचाई प्रदान की है । मैं उन्हें अपनी ओर से सभा की ओर से हार्दिक बधाई देता हूं और मुझे विश्वास है कि उनका मार्गदर्शन सभा के संचालन में मेरे लिये भी सहायक होगा ।

यद्यपि यह सत्र दिनांक 20 जुलाई से शुरू हुआ किन्तु इस सभा में प्रथम बार निर्वाचित 53 सदस्यों के द्वारा समय–समय पर प्रबोधन कार्यक्रम की आवश्यकता प्रगट किये जाने पर 16 एवं 17 जुलाई को माननीय सदस्यों के लिये प्रबोधन कार्यक्रम आयोजित किया, जिसके उद्‌घाटन सत्र में माननीय लोक सभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन जी ने आशीर्वचन स्वरूप सदस्यों को मार्गदर्शन दिया तथा छत्तीसगढ़ राज्य के माननीय राज्यपाल श्री बलरामजीदास टण्डन ने समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में, इस सभा में अपनायी जाने वाली प्रक्रियाओं की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुये सदस्यों को अपने अनुभव से लाभान्वित किया । मैं लोक सभा की माननीय अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन एवं इस राज्य के माननीय राज्यपाल एवं इस विधान सभा के अविभाज्य अंग श्री बलरामजी दास टण्डन को सभा की ओर से कृतज्ञता ज्ञापित करता हूं ।

प्रबोधन कार्यक्रम में भारत सरकार के मंत्री माननीय श्री थावरचंद जी गहलोत, उत्तर प्रदेश विधान सभा के माननीय अध्यक्ष श्री माता प्रसाद पाण्डेय जी, बिहार विधान सभा के माननीय अध्यक्ष श्री उदय नारायण चौधरी जी, हिमाचल प्रदेश की वरिष्ठ सदस्य एवं पूर्व मंत्री माननीया श्रीमती आशा कुमारी जी भी सदस्यों को मार्गदर्शन के लिये पधारीं । इसके साथ ही इस सदन के वरिष्ठ सदस्य माननीय श्री बृजमोहन अग्रवाल जी एवं इस सदन के पूर्व नेता प्रतिपक्ष माननीय श्री रविन्द्र चौबे जी ने भी व्याख्यान से सभी सदस्यों को लाभान्वित किया। मैं इन सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करता हूं ।

मैं अतिथियों द्वारा व्यक्त विचारों से अपने आपको सहमत पाता हूं कि अध्ययन एक सतत् निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और प्रति दिन हम अनुभव से अपने कार्य और व्यवहार में श्रेष्ठता अर्जित करते हैं ।

इस सदन में प्रदेश की 2 करोड़ 55 लाख जनता की इच्छा एवं भावनायें प्रतिबिम्बित होती हैं । कार्यवाही के संचालन में पक्ष एवं प्रतिपक्ष दोनों का ही महत्व है और पक्ष एवं प्रतिपक्ष के समन्वय से ही हम इस प्रदेश को तीव्र गति से विकास की राह पर ले जा सकते हैं ।

इस अवसर पर मैं केवल यही कहना चाहूंगा कि पक्ष एवं प्रतिपक्ष के मध्य सम्मान एवं विश्वास का भाव प्रजातंत्र की सफलता के लिये हमेशा बनाये रखना आवश्यक है, क्योंकि पक्ष एवं प्रतिपक्ष दोनों ही इस राज्य के विकास के लिये प्रतिबद्ध है ।

अब मैं सदन के संपन्न कार्यों की संक्षिप्त जानकारी से मैं आपको अवगत कराना चाहूंगा। इस पावस सत्र के कुल 6 कार्य दिवसों में लगभग 47 घंटे 19 मिनट चर्चा हुई। 5 बैठकों में कुल 37 प्रश्न सभा में पूछे गए जिनके उत्तर शासन द्वारा दिए गए। इस प्रकार प्रतिदिन प्रश्नों का औसत लगभग 7 प्रश्नों का रहा। इस सत्र में 964 तारांकित प्रश्न एवं 732 अतारांकित प्रश्नों की सूचना प्राप्त हुई। इस प्रकार कुल 1696 प्रश्नों की सूचनाएं प्राप्त हुई। इस सत्र में ध्यानाकर्षण की कुल 440 सूचनाएं प्राप्त हुई, जिसमें 45 सूचनाएं ग्राह्य हुई। इस सत्र में एक ही विषय पर कुल 72 स्थगन की सूचनायें प्राप्त हुई। शून्यकाल की 67 सूचनाएं प्राप्त हुई जिसमें 26 सूचनाएं ग्राह्य एवं 41 सूचनाएं अग्राह्य रही। वर्तमान सत्र में 308 याचिकाएं माननीय सदस्यों की ओर से प्राप्त हुई, जिनमें 30 ग्राह़य एवं 66 अग्राह़य रही तथा 212 विचाराधीन है।

इस सत्र में एक अविश्वास प्रस्ताव की सूचना प्राप्त हुई, जिस पर सदन में 24 घण्टे 25 मिनट चर्चा हुई तथा अशासकीय संकल्प की 17 सूचनायें प्राप्त हुई, जिसमें 4 ग्राह़य होकर 2 पर सदन में चर्चा हुई तथा सर्वानुमति से स्वीकृत हुये ।

इस सत्र में विनियोग विधेयक सहित कुल 6 विधेयकों की सूचनाएं प्राप्त हुई और सभी विधेयक चर्चा उपरांत पारित हुए। वित्तीय कार्यों के अंतर्गत प्रथम अनुपूरक अनुमान पर 5 घंटे 24 मिनट चर्चा हुई।

प्रदेश की सर्वोच्च प्रजातांत्रिक संस्था छत्तीसगढ़ विधानसभा के कार्यकरण से सीधे तौर पर आम जनता को अवगत कराने के उद्देश्य से सदन की कार्यवाही के अवलोकन हेतु आम नागरिकों को अवसर देती है। इस तारतम्य में विभिन्न शासकीय/अशासकीय संस्थाओं के जनप्रतिनिधियों एवं छात्र/छात्राओं कुल 679 ने इस सत्र में सदन की कार्यवाही का प्रत्यक्ष अवलोकन किया।

मैं पुनः चतुर्थ विधानसभा के पंचम सत्र के समापन के अवसर पर मैं सदन के नेता माननीय मुख्यमंत्री जी एवं माननीय नेता प्रतिपक्ष जी, माननीय

संसदीय कार्य मंत्री जी, सभी माननीय मंत्रिगण एवं आप सभी माननीय सदस्यों के प्रति हृदय से धन्यवाद देता हूं कि आप सभी ने सदन के सुव्यवस्थित संचालन में मुझे अपना अधिकतम सकारात्मक सहयोग दिया।

मैं सभापति तालिका के सदस्यों एवं माननीय उपाध्यक्ष के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने सभा के संचालन में मुझे निरंतर सहयोग प्रदान किया। मैं सम्माननीय पत्रकार साथियों एवं मीडिया के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने सदन की कार्यवाही को बड़ी गंभीरता से प्रचार माध्यमों में प्रमुखता से स्थान देकर प्रदेश की जनता को सभा में संपादित कार्यवाही से अवगत कराया। छत्तीसगढ़ दूरदर्शन, आकाशवाणी एवं अन्य मीडिया के प्रतिनिधियों के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने अपने गुरूत्तर दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया।

इस अवसर पर राज्य शासन के मुख्य सचिव सहित समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देता हूं, सुरक्षा व्यवस्था में संलग्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी धन्यवाद देता हूं जिन्होंने सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था पूरे सत्र में कायम रखी।

मैं विधानसभा के प्रमुख सचिव सहित समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भी प्रशंसा करता हूं जिन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन कुशलता एवं निष्ठा के साथ पूरा किया।

सत्र समापन के अवसर पर आगामी सत्र की संभावित तिथि घोषित करने की परंपरा रही है, तद्नुसार आगामी शीतकालीन सत्र **दिसम्बर माह के तृतीय/चतुर्थ सप्ताह** में सम्भावित है।

हम सब संसदीय प्रणाली को सुदृढ़ करने एवं छत्तीसगढ़ के विकास के लिए कृतसंकल्पित हों, इन्हीं भावनाओं के साथ।

धन्यवाद !

जय हिन्द, जय भारत, जय छत्तीसगढ़